भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 623**

जिसका उत्तर दिनांक 20.07.2022 को दिया जाना है

**काकरापार परमाणु संयंत्र**

**623. डॉ. शशि थरूर :**

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) काकरापार परमाणु संयंत्र की इकाई 3 की वर्तमान परिचालन स्थिति का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इकाई को ग्रिड के साथ सिंक्रोनाइजेशन के बाद से किसी तकनीकी कठिनाई का सामना करना पड़ा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या निकट भविष्य में वाणिज्यिक परिचालन शुरू होने की उम्मीद है;

(घ) यदि हां, तो प्रारंभ होने की अनुमानित तिथि क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ङ) काकरापार परमाणु ऊर्जा संयंत्र की इकाई 4 की निर्माण स्थिति का ब्यौरा क्या है;

(च) अन्य परमाणु ऊर्जा संयंत्रों में आईपीएचडब्ल्यूआर-700 रिएक्टरों के निर्माण की स्थिति का ब्यौरा क्या है;

(छ) क्या आईपीएचडब्ल्यूआर-700 रिएक्टर के अंदर कोई डिजाइन खामियां और/या सुरक्षा मुद्दों की पहचान की गई है; और

(ज) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उन्हें ठीक करने के लिए प्रस्तावित/किए गए उपाय क्या हैं?

**उत्तर**

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) यूनिट-3 में, कमीशनन प्रतिपुष्टि के आधार पर अपेक्षित संशोधन/सुधार किए गए हैं और उनका वैधीकरण भी रेडियोसक्रिय परीक्षण द्वारा पूरा किया गया है। यूनिट को अब प्रारंभन के लिए तैयार किया जा रहा है और नियामक मंजूरी के अनुरूप क्षमता को क्रमिक रूप से पूर्ण क्षमता तक बढ़ाया जा रहा है।

(ख) यूनिट कमीशनन के दौरान, ग्रिड के साथ सिंक्रोनाइजेशन के बाद, रिएक्टर भवन के कुछ क्षेत्रों में उन्नयित ताप देखा गया। अपेक्षित संशोधन और सुधार करके इनका समाधान किया गया है।

(ग) जी, हां।

(घ) चरणबद्ध नियामक मंजूरी प्राप्त करने के बाद, दिसंबर 2022 तक यूनिट का वाणिज्यिक प्रचालन आरम्भ करने की प्रत्याशा है।

(ङ) काकरापार परमाणु विद्युत परियोजना की यूनिट-4 (केएपीपी-4) ने जून-2022 तक 93.65% की भौतिक प्रगति हासिल कर ली है।

(च) निर्माणाधीन अन्य 700 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर में, रावतभाटा, राजस्थान में आरएपीपी 7 व 8 ने क्रमशः 95% और 80.8% भौतिक प्रगति हासिल कर ली है। गोरखपुर, हरियाणा में जीएचएवीपी 1 व 2 के संबंध में, विभिन्न भवन और संरचनाएँ निर्माणाधीन हैं। दस पीएचडब्ल्यूआर अर्थात कैगा, कर्नाटक में कैगा 5 व 6; गोरखपुर, हरियाणा में जीएचएवीपी 3 व 4; माही बांसवाड़ा, राजस्थान में माही बांसवाड़ा 1 से 4 और चुटका, मध्य प्रदेश में चुटका 1 व 2 में स्थलों पर पूर्व-परियोजना गतिविधियां और दीर्घकालीन सुपुर्दगी उपकरणों के प्रापण का कार्य किया गया है। कैगा 5 व 6 में उत्खनन कार्य शुरू हो गए हैं।

(छ) स्वदेशी 700 मेगावाट पीएचडब्ल्यूआर (आईपीएचडब्ल्यूआर) की डिजाइन में खामियां या संरक्षा मुद्दे नहीं हैं।

(ज) उपरोक्त (छ) के मद्देनजर प्रश्न नहीं उठता।

*****